19. कहानी-लेखन

कहानी पढ़ना-सुनना सभी को बहुत भाता है। बच्चों को कहानी के माध्यम से बड़ी से बड़ी सीख सरलता से समझाई जा सकती है। बच्चे चित्रों को देखकर आसानी से कहानी समझ भी लेते हैं तथा चित्रों के माध्यम से कहानी बुनने का प्रयास भी कर लेते हैं। कहानी-लेखन द्वारा बच्चों की इसी लेखन क्षमता को विकसित किया जाता है।

- शिक्षक/शिक्षिका बच्चों से भिन्न-भिन्न प्रकार की कहानियों के विषय में चर्चा करें।
- बताएँ, कहानियाँ कई तरह की होती हैं– पशु-पक्षियों की कहानी, परियों की कहानी, जादुई, डरावनी आदि कहानी। उन्हें किस प्रकार की कहानियाँ पसंद हैं, जानने का प्रयास करें।
- पुस्तक में दी गई कहानी के चित्रों के बारे में बात करते हुए बच्चों को कहानी पढ़ने के लिए कहें।
- अभ्यास के लिए दिए गए संकेत के आधार पर बच्चों से कहानी बनवाएँ। पहले मौखिक रूप में कहानी सुनें फिर पुस्तक में कहानी लिखवाएँ।
- बच्चों से इन कहानियों से मिलने वाली शिक्षा के बारे में पूछें, फिर उन्हें बताएँ।
- सभी बच्चों पर बराबर ध्यान दें। बच्चों की कल्पनाशक्ति का विकास करने के उद्देश्य से कहानी कहना (Story telling) प्रतियोगिता भी कक्षा में करवाई जा सकती है।